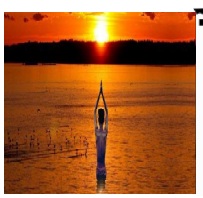

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं० B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 161 सोमवार 1 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

नव वर्ष की मंगलकामना

नया वर्ष हमें सृजन की ओर ले चले। भारतीय बस्ती के पाठकों, विज्ञापनदाताओं, शुभेच्छुओं को हार्दिक मंगलकामना–

– सम्पादक

मुख्यमंत्री योगी, एसटीएफ चीफ को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ (आमा)। श्रीराम मंदिर, सीएम योगी और एसटीएफ चीफ को बम से उड़ाने की धमकी दी गई।

धमका भरा ई–मेल भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी को भेजा गया। देवेंद्र को भी मारने की धमकी दी गई है। ई–मेल भेजने वाले ने खुद को आईएसआई से जुड़ा बताया है। यूपी–112 के इंस्पेक्टर की तहरीर पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के साथ एटीएस को प्रकरण की जांच में लगाया गया है। ई–मेल करने वाले ट्रेस किया जा रहा है।

एफआईआर यूपी–112 में तैनात इंस्पेक्टर सहेंद्र कुमार ने दर्ज की है। एफआईआर के मुताबिक, देवेंद्र तिवारी ने यूपी–112 को एक शिकायत एक्स (ट्विटर) पर टैग की। जिसमें बताया गया कि आईएसआई के जुबेर खान की तरफ से उनको 27 दिसंबर की शाम 7 बजकर 37 मिनट पर एक ई–मेल भेजा गया। जिसमें लिखा था कि सीएम योगी, एसटीएफ चीफ अमिताभ यश ने जीना हराम कर रखा है। तुम भी (देवेंद्र तिवारी) बहुत गो सेवक बने हो। इसलिए सभी को बम से उड़ा दिया जाएगा। अयोध्या के श्रीराम मंदिर को भी उड़ाएंगे। इसकी जिम्मेदारी आईएसआई ले रहा है। पुलिस मामले की गंभीरता के साथ छानबीन करने में जुटी है।

बीएचयू गैंग रेप मामले में भाजपा से जुड़े तीन गिरफ्तार

वाराणसी (आमा)। आईआईटी बीएचयू में पहली नवंबर की रात परिसर स्थित कर्मनवीर बाबा मंदिर के पास छात्रा से गैंगरेप में लंका पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में मेलपुर थाना क्षेत्र के बृज इंक्लेव कॉलोनी निवासी कुणाल पांडेय, बजरडीहा के जीवक पिपुर निवासी आनंद, सक्षम पटेल हैं। तीनों भाजपा से जुड़े हैं।कुणाल पांडेय भाजपा महानगर इकाई में आईटी विभाग का संयोजक, सक्षम पटेल सह संयोजक है। आनंद इन दोनों के साथ पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल होता रहा है। तीनों को पुलिस ने रविवार को जेल भेज दिया।

आईआईटी बीएचयू में एक नवंबर की रात छात्रा न्यू गर्ल्स हॉस्टल से घूमने के लिए निकली। परिसर में गांधी स्मृति छात्रावास चौराहे पर उसका दोस्त मिला। दोनों कर्मनवीर बाबा मंदिर के पास पहुंचे थे। तभी पीछे से बुलेट सवार तीन युवक आए और छात्रा तथा उसके दोस्त को रोका। कुछ देर बाद डरा–धमकाकर उसके दोस्त को भगा दिया। युवकों ने छात्रा का मुंह दबा दिया और एक कोने में लेकर चले गए। उसके कपड़े उतारकर उसके साथ घिनौनी हरकत की। वीडियो भी बनाया था। चीखने चिल्लाने पर जान से मारने की धमकी भी दी। उसका फोन भी ले लिया।

डीसीपी काशी जोन आरएस गौतम ने बताया कि आरोपियों को उनके घर से लंका पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने पकड़ा। घटना में प्रयुक्त बुलेट, उनके मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं। घटना के समय के वीडियो सभी ने डिलीट कर दिये थे। सभी ने अपना जुर्म स्वीकार किया। पूछताछ के बाद सभी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

घटना के दूसरे दिन ही सीसीटीवी कैमरे में चेतगंज में तीनों बुलेट पर कैद हुए। वही फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

पुण्य तिथि पर समाजवादियों ने किया लोक बंधु राज नारायण को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को लोक बंधु राज नारायण को उनके 37 वें पुण्य तिथि पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि प्रखर समाजवादी पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजनारायण जी ने इंदिरा जी को चुनाव में परास्त कर इतिहास रचा था। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

कहा कि 69 साल की उम्र में राजनरायन जी 80 बार जेल गए और जेल में कुल 17 साल बिताए इसमें तीन साल आजादी से पहले और 14 साल आजादी के बाद। उनके बढते प्रभाव से लौह महिला इंदिरा गांधी बुरी तरह डर गई थीं, इतनी आतंकित हो गई कि इमरजेंसी लगा दी। कहा कि जनहित में संसदीय मर्यादाओं को तोड़ने में राजनारायण ने कभी संकोच नहीं किया, जनता के हित को सर्वोपरि मानने वाले राजनारायण हमेशा लीक से अलग हट कर चलने वाले राजनेताओं में शुमार किए जाते रहे। वे प्रारंभिक दौर से ही कांग्रेस के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार और वंशवाद के चलन का विरोध करते रहे। आपातकाल के दौरान

जेल जाने वाले राजनारायण श्रीमती इंदिरा गांधी को भ्रष्टाचार एवं वंशवाद की जननी के रूप में मानते थे। ऐसे महान नेता से युवा पीढी को प्रेरणा लेनी चाहिये।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल', सपा नेता चन्द्रभूषण मिश्र, आदि ने राजनारायण जी को नमन् करते हुये कहा कि वे आपातकाल में धूमकेतु की तरह उभरे, राजनारायण आपातकाल और इसकी चुनौतियां के पर्यायवाची बनकर उभरे। जनआंदोलन पूरे देश में तेज हो गया। नौजवानों की टोली सिर पर कफन बांधे पूरे देश में जेल में बंद नेताओं के आह्वान पर कूद पड़ी, उनकी गिरफ्तारियां भी हुईं, लेकिन, आंदोलन रुकने का नाम नहीं ले रहा था, अंततः इंदिरा गांधी को ये बात समझ में आ गई 'जनता ही जनार्दन' है और आपातकाल को हटा दिया गया। देश में नए चुनाव की घोषणा हुई. रायबरेली से राजनारायण ने इंदिरा गांधी को 1977 के चुनाव में पराजित किया और पूरे देश में लोकशाही की स्थापना हुई। यह भी कहा जाने लगा कि राजनारायण ने इंदिरा गांधी को कोर्ट में और वोट में हराकर देश में एक नए इतिहास का सूत्रपात किया। वे आम आदमी के हितों के लिये आजीवन संघर्ष करते रहे। संचालन करते हुये समीर चौधरी ने राजनारायण जी के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से जावेद पिण्डारी, अरविन्द सोनकर, मो. स्वालेह, यूनुस आलम, मो. उमर खान, दिनेश तिवारी, जोखूलाल यादव, राम सुरेश सोनकर, फौजदार यादव, राजाराम यादव, अनवर जमाल, महेश कुमार, भोला पाण्डेय, गौरीशंकर यादव, छोटू मिश्र, रविकान्त निषाद, अंकित कुमार पाण्डेय, उदित पाण्डेय, तूफानी यादव, चन्द्र प्रकाश सोनी, राजू प्रसाद सोनी, नसीबुल्लाह, राजकुमार, जीत बहादुर सिंह, आनन्द चौधरी, लवकुश गौड़, रामभवन यादव, रजनीश यादव, सलीम, विपिन त्रिपाठी, विनय यादव, मो. दाउद, रितेश यादव, राकेश यादव, गगन पाण्डेय, रामबृक्ष यादव, रविन्द्र कुमार यादव, गुलाब सोनकर, डा. देवेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, अमरेन्द्र पाण्डेय शिल्लू, धर्मराज यादव, रामशब्द, हरे श्याम विश्वकर्मा, सूर्या चौधरी, अशोक कुमार चौहान, छेदीलाल, सालिक राम गौड़, के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राजनारायण जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

कांग्रेस नेता महेन्द्र ने किया अलाव जलवाने, कम्बल वितरण की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश महासचिव एवं बस्ती, गोरखपुर मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने जिला प्रशासन से मांग किया है कि ठंड को देखते हुये जरूरतमंदों में कम्बल वितरण के साथ ही शहर के प्रमुख स्थानों, रेलवे, रोडवेज, पुलिस चौकी आदि स्थानों पर अलाव जलवाने की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि कडाके की ठंड और शीतलहर के बावजूद अभी तक अलाव जलाने की कोई व्यवस्था नहीं किया गया है। इसके चलते राहगीर और बाहर से आने वाले लोगों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। घने कोहरे के कारण जहां दुर्घटनायें बढ गई है वहीं सड़कों पर आवारा घूमते छुट्टा पशु दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। जिला प्रशासन भले दावा करे कि छुट्टा पशु गोशालाओं में पहुंचा दिये गये है किन्तु सच्चाई ये है कि रात तो छोडिये दिन में भी प्रमुख सड़कों पर आवारा पशु मिल जाते हैं और आये दिन लोग घायल हो रहे हैं। उन्होने मांग किया कि व्यापक जनहित में आवारा पशुओं को गौशाला में भेजने के साथ ही अलाव जलवाने और कम्बल वितरण सुनिश्चित किया जाय।

निषाद पार्टी का संकल्प दिवस 13 को, कार्यकर्ता बैठक में बनी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को निषाद पार्टी की कार्यकर्ता बैठक सर्किट हाउस में जिलाध्यक्ष अशोक निषाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुये पार्टी की भूमिका पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में राष्ट्र निषाद एकता परिषद कार्यकारिणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अमित कुमार निषाद ने कहा कि निषाद पार्टी का गठन मछुआ समाज के हितों को लेकर हुआ था, पार्टी आज भी अपने आरक्षण सहित अन्य मुद्दे पर अडिग है।

–डा. अमित निषाद का किया फूल मालाओं के साथ स्वागत

समूचे प्रदेश में मछुआ समाज को जगाने का काम किया जा रहा है। इसी सिलसिले में आगामी 13 जनवरी को रमादेवी पार्क लखनऊ में पार्टी का 11 वां संकल्प दिवस आयोजित किया गया है। इसमें उत्तर प्रदेश के साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से लोग एकत्र होंगे और राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डा. संजय निषाद एकजुटता का संदेश देंगे। इसी संकल्प दिवस में आगामी लोकसभा की रणनीति तय की जायेगी। इस मौके पर डा. अमित निषाद का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

कार्यकर्ता बैठक में सांगठनिक स्थितियों की जानकारी देते हुये पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक निषाद ने कहा कि पार्टी जिन मुद्दों को लेकर आगे बढी है उसे पूरा कराने की दिशा में निरन्तर प्रयास जारी है। निषाद समाज आज राजनीतिक चेतना के स्तर पर यदि निरन्तर विकसित हो रहा है तो इसके पीछे राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय निषाद का संघर्ष और उससे मिलने वाली प्रेरणा है।

कार्यकर्ता बैठक में अजय निषाद, धर्मराज निषाद, शिवशंकर श्रीवास्तव, बलिराम निषाद, कृष्ण गोपाल निषाद, आशीष गुप्ता, मनीष पाठक, राम दिनेश शुक्ल, मोनू निषाद, नरेन्द्र निषाद, प्रदीप निषाद के साथ ही निषाद पार्टी एवं प्रकोष्ठों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

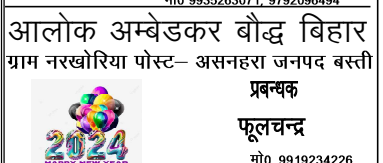

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 जनवरी 2024 सोमवार

सम्पादकीय

नये वर्ष से जगी आशा

हर नया वर्ष यह उम्मीद जगाता है कि जो पहले नहीं हुआ इस वर्ष हो जायेगा। 2023 के आगमन के समय भी वहीं आशा, उमंग थी जैसा 2024 के लिये है। सब कुछ अच्छा ही होगा ऐसा कहां हो पाता है। फिर भी हमें अपनी आशा को कर्तव्य पथ के साथ जीवन्त रखना होगा। कोई भी वर्ष 2023 को रेखांकित करने वाली दुखद घटनाओं की भयावह कहानी पर अफसोसजनक दृष्टि डाल सकता है। यूक्रेन पर अनावश्यक रूसी आक्रमण निरंतर जारी है। इसी तरह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) के पार भारतीय क्षेत्र में चीनी अतिक्रमण 30वें महीने में प्रवेश कर गया। भारत में भी वर्ष की शुरूआत प्रैस की बची–खुची स्वतंत्रता पर सीधे हमले के साथ हुई, जब केंद्र सरकार ने बी.बी.सी. की दो–भाग वाली डॉक्यूमैंट्री को फॉस्टियन करार देकर उस पर प्रतिबंध लगा दिया।

मार्च की शुरूआत में, सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की एक समिति की सलाह पर की जाएगी। इस फैसले की पूर्ण अवहेलना करते हुए, सरकार ने संसद में एक विधेयक पारित किया जो मुख्य न्यायाधीश की जगह एक मंत्री को नियुक्त करता है, जिससे सरकार को चुनाव आयोग में अधिकारियों की नियुक्ति करने में छूट मिल जाती है, और देश में चुनावी आधिपत्य को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाता है।

मई में, मणिपुर राज्य में मैतेई और कुकी जनजातीय समुदायों के बीच भीषण जातीय हिंसा भड़क उठी। भाजपा शासित राज्य होने के बावजूद सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके विपरीत राज्य से सूचना के प्रवाह को प्रतिबंधित करने का प्रयास किया गया। विपक्ष द्वारा मणिपुर की जमीनी स्थिति स्पष्ट करने के आग्रह के बाद भी प्रधानमंत्री ने ऐसा करने से इन्कार कर दिया। अब भी, जमीनी तथ्य अस्पष्टता में डूबे हुए हैं और सर्वोच्च न्यायालय को असहज शांति की ओर धीमी गति से आगे बढ़ने की निगरानी करनी पड़ रही है।

स्वतंत्र भारत की मुद्रा व्यवस्था के इतिहास में किसी भी मूल्यवर्ग की शैल्फ लाइफ 2000 रुपए के नोट से कम नहीं रही है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि 2016 में सरकार की नोटबंदी की नीति कितनी कठोर और अदूरदर्शी थी और कैसे एक 'डार्क कॉमेडी' के सभी रंगों के साथ उस दुखद निर्णय से कुछ भी नहीं सीखा गया। सितम्बर में संसद को अपने ऐतिहासिक स्थल को छोड़कर एक नए परिसर में स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया गया था। मूल संसद भवन को एक पुरानी सभ्यता को आधुनिक राष्ट्र में बदलने में पिछले 7 दशकों में निभाई गई मौलिक भूमिका को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हुए 'संविधान सभा' में बदल दिया गया था। इस बदलाव के कारण अभी भी अस्पष्ट हैं क्योंकि पुरानी संरचना अभी भी जीवंतता, रहस्य और बेदाग गरिमा की आभा बिखेरती हुई खड़ी है।

अक्तूबर में दुनिया ने भयावह आतंकवादी हमले को देखा, जिसमें असहाय इसराईली नागरिकों की मौत हो गई, जिसमें सैंकड़ों लोग मारे गए और अनगिनत घायल हुए। इसराईली जवाबी कार्रवाई में गाजा पट्टी की अनुपातहीन आबादी को सामूहिक दंड के सबसे मध्यकालीन रूप का सामना करना पड़ा, जो अभी भी बच्चों और महिलाओं के साथ बदस्तूर जारी है। नवम्बर में 8 सेवानिवृत्त नौसेना कर्मियों को कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई। हालांकि सजा–ए–मौत को कैद में बदल दिया गया है। मैंने इस मुद्दे को दिसम्बर 2022 में संसद में उठाया था, जिसके कई महीने बाद भी हमारे 'सुशोभित दिग्गजों' को उनके सिर पर मौत की सजा के साथ अपमानजनक जेल की सजा भुगतनी पड़ रही है।

दिसम्बर की शुरूआत में अनुच्छेद 370 पर फैसले की घोषणा हुई। हमारे देश के संघीय ढांचे पर इसके हानिकारक प्रभाव से हम सभी को चिंतित होना चाहिए। अदालत ने इस सवाल का जवाब देने से परहेज किया कि क्या संसद एक राज्य को 2 केंद्र शासित प्रदेशों में बदल सकती है जो विवाद का अनिवार्य कारण था। शीर्ष अदालत ने इस आधार पर लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश में पुनर्गठित करने की भी अनुमति दी कि सॉलिसिटर जनरल ने वायदा किया है कि जम्मू और कश्मीर के शेष हिस्से में राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। ऐसा उपक्रम जो उस मामले में किसी उत्तराधिकारी सरकार या विधायिका पर बाध्यकारी नहीं है। आश्चर्यजनक रूप से न्यायालय ने माना कि जहां अनुच्छेद–370 को निरस्त करने की प्रक्रिया भारत के संविधान के अधिकार क्षेत्र से बाहर थी, वहीं इसे निरस्त करना स्वयं अधिकार क्षेत्र के बाहर था।

साल का अंत आखिरकार भारत के लोकतंत्र पर शाब्दिक हमले के साथ हुआ। 13 दिसम्बर, 2023 को– संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी पर 2 घुसपैठियों ने लोकसभा में प्रवेश किया और धुआं छोड़ा। इसके विपरीत, खुद को किसी और शब्मदगी से बचाने और किसी भी सार्वजनिक जांच से खुद को बरी करने के लिए, सरकार ने 146 विपक्षी संसद सदस्यों को निलंबित कर दिया, जिससे भारत की संसदीय सरकार के लिए एक भयानक मिसाल कायम हुई। इन स्थगनों के बीच, दूरसंचार विधेयक, मुख्य चुनाव आयुक्त और 3 आपराधिक कानून विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विधेयक शून्य के साथ पारित किए गए।

2023 को रेखांकित करने वाली मौलिक घटनाओं की शृंखला में 'मतिभ्रम' की प्रतिध्वनि भाषाई शब्दार्थ से परे फैली हुई है। यह उस वर्ष के लिए एक रूपक बन जाता है जहां वास्तविकता और भ्रम के बीच की सीमाएं धुंधली हो जाती हैं, जिससे नागरिक सच्चाई के विकृत संस्करणों से जूझ रहे हैं। दक्षिणपंथी लोकलुभावनवाद, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और संविधानवाद का पालन न करने की ओर वैश्विक झुकाव शासन के एक परेशान करने वाले पैटर्न को रेखांकित करता है जो पारदर्शिता पर नियंत्रण और जवाबदेही पर शक्ति को प्राथमिकता देता है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि 2024 कितना सार्थक होगा।

वर्ष 2024 से जगी उम्मीदें

–प्रहलाद सबनानी–

विश्व के कुछ देश वर्ष 2024 में मंदी की मार झेल सकते हैं, यह कुछ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का आंकलन है। परंतु, वैश्विक स्तर पर अर्थव्यस्था के गिरने की सम्भावनाओं के बीच एक देश ऐसा भी है, जिस पर समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक, की नजरें टिकी है, वह है भारत। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति समस्त विदेशी वित्तीय संस्थान आशावान हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को अब भारत ही सहारा देने की क्षमता रखता है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी किया है। इसमें भारत के प्रति मुख्य रूप से तीन बातें कही गई हैं। प्रथम, भारत आज विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। दूसरे, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा। तीसरे, वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 16 प्रतिशत का रहने वाला है। भारत आने वाले समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के विकास में एक इंजिन के रूप में अपना योगदान देने को तैयार है।

भारत ने वर्ष 2023 में विश्व में कम होती विकास दर के बीच भी आकर्षक विकास दर हासिल की है। क्योंकि, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, लगातार कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। एक तो भारत ने आर्थिक व्यवहारों का डिजिटलीकरण किया है और इस क्षेत्र में पूरे विश्व को ही राह दिखाई है, इससे आर्थिक व्यवहारों की न केवल निपुणता बढ़ी है बल्कि लागत भी बहुत कम हुई है। दूसरे, केंद्र सरकार ने देश में आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए भारी भरकम राशि का पूंजीगत खर्च किया है। वित्तीय वर्ष 2022–23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की गई थी एवं वित्तीय वर्ष 2023–24 में 10 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की जा रही है। भारत में सड़क, रेल्वे एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत खर्च आगे आने वाले समय में किये जाने की योजना बनाई गई है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच आधारभूत संरचना के विकास हेतु 70 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किया गया था परंतु वर्ष 2024 से 2030 के बीच 143 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किए जाने की योजना बनाई जा रही है। तीसरे, भारत में केंद्र सरकार ने गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों को कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने की भरपूर कोशिश की है, जिसका परिणाम इस वर्ग की संख्या में भारी भरकम कमी के रूप में देखने को मिला है। और फिर, अब तो यह वर्ग मध्यम वर्ग की श्रेणी में शामिल होकर भारत में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में सहायक की भूमिका निभा रहा है, जिससे देश में ही विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में भारी वृद्धि हो रही है।

इसी प्रकार, विश्व के सबसे बड़े ऑफिस काम्प्लेक्स का निर्माण भारत में गुजरात राज्य के सूरत शहर में किया गया है। इस ऑफिस काम्प्लेक्स में 4,500 से अधिक हीरा व्यवसाईयों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इस काम्प्लेक्स में कच्चे हीरे के व्यापारियों से लेकर पोलिश हीरे की बिक्री करने वाली कम्पनियों के ऑफिस एक ही जगह पर स्थापित किए जाएंगे। सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग के नाम से इस काम्प्लेक्स, जो 67 लाख वर्गफुट से अधिक के क्षेत्र में फैला है, का उद्घाटन दिसम्बर 2024 माह में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सम्पन्न हुआ है। यह काम्प्लेक्स अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन के मुख्यालय भवन से भी बड़ा है, पेंटागन के मुख्यालय को आज तक विश्व में सबसे बड़ा भवन माना जाता रहा है। इस तरह के कई व्यावसायिक केंद्र भारत में विकसित हो रहे हैं।

विश्व के अन्य देश मुद्रा स्फीति की समस्या से पिछले कुछ वर्षों से लगातार जूझते रहे हैं परंतु भारत ने इस समस्या पर भी नियंत्रण प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। जुलाई 2023 में भारत में खुदरा महंगाई की दर 7.44 प्रतिशत थी जो अक्टोबर 2023 में घटकर 4.87 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। अब तो शीघ्र ही भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में कमी की घोषणा कर सकता है जिससे देश में ब्याज की दरें कम होना शुरू होंगी इससे निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था में और अधिक तेजी की सम्भावना बनेगी।

आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था को यदि किसी संरेशानी का सामना करना पड़ता है तो वह आंतरिक समस्या न होकर वैश्विक स्तर की समस्या के कारण होगी। क्योंकि, कुछ देशों, विकसित देशों सहित में मंदी की सम्भावनाएं बन रही हैं। दूसरे, रूस यूक्रेन युद्ध, हम्मास इजराईल युद्ध, चीन का अपने पड़ोसी देशों से टेंशन, यूरोपीयन देशों के आपसी झगड़े, कुछ ऐसे बिंदु हैं जो भारत की विकास दर को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकते हैं। यदि इन्हीं समस्त कारणों से कुछ विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित होती हैं तो भारत से विभिन्न उत्पादों का निर्यात भी कम होगा, आयात होने वाली वस्तुओं की लागत बढ़ेगी, इस प्रकार की समस्याएं खड़ी हो सकती हैं जो भारत को भी आने वाले समय में परेशान करें। दूसरे, कुछ प्राकृतिक कारण भी जैसे मानसून का उचित समय पर नहीं आना अथवा कम बारिश होना, जैसी कुछ समस्याएं भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए परेशानी का कारण बन सकती हैं। अन्यथा पिछले लगभग 10 वर्ष का समय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए स्वर्णिम काल कहा जाना चाहिए और आगे आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था नई ऊंचाईयों को छूने के लिए तैयार है। उदाहरण के लिए यह इतिहास में पहली बार होने जा रहा है कि भारतीय शेयर बाजार वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2023 तक लगातार 8 वर्षों तक निवेशकों को लाभ की स्थिति प्रदान करता रहा है। दूसरे, अमेरिकी वित्तीय संस्था लीहमन ब्रदर्स के वर्ष 2008 में टूटने के बाद भारत का निफ्टी एवं चीन का शंघाई शेयर बाजार 3000 के अंकों पर थे, परंतु आज भारत का निफ्टी 21800 अंकों के ऊपर पहुंच गया है और चीन का शंघाई शेयर बाजार अभी भी 3000 अंकों पर ही बरकरार है। लगभग समस्त देशों के निवेशक आज भारतीय शेयर बाजार के प्रति अत्यधिक भरोसा जताए हुए हैं और आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 60,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है।

बढ़ते महिला अपराध

– योगेश कुमार गोयल–

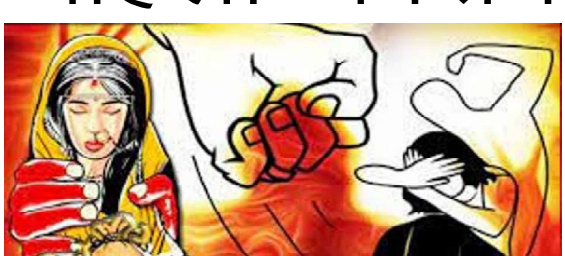

दिल्ली और राजस्थान जहां महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य हैं, वहीं दहेज के लिए जान लेने वालों में पहले स्थान पर उत्तरप्रदेश और दूसरे पर बिहार है। उत्तरप्रदेश में दहेज के लिए 2138 और बिहार में 1057 महिलाओं की हत्या कर दी गई, जबकि मध्यप्रदेश में 518, राजस्थान में 451 और दिल्ली में 131 महिलाओं की हत्या दहेज के लिए की गई। 'एनसीआरबी' के अनुसार प्रति एक लाख जनसंख्या पर महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 2021 में 64.5 फीसद से बढ़कर 2022 में 66 फीसद हो गई, जिसमें से 2022 के दौरान 19 महानगरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 48,755 मामले दर्ज किए गए। ये 2021 के 43,414 मामलों की तुलना में 12.3 फीसद ज्यादा हैं।

'एनसीआरबी' (राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो) की नवीनतम रिपोर्ट में एक बार फिर महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की चिंताजनक तस्वीर उभरकर सामने आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 4,28,278 और 2020 में 3,71,503 था। महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के ये मामले 2021 की तुलना में करीब चार प्रतिशत ज्यादा हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि सरकार महिला सशक्तिकरण का कितना भी दावा करे, वास्तविकता यही है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों में कोई सुधार नहीं आया है। उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की दर सर्वाधिक बताई गई है। दूसरे राज्यों के मुकाबले उत्तरप्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में सर्वाधिक प्राथमिकी दर्ज हुई हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध में दिल्ली लगातार तीसरे साल 19 महानगरों में सबसे आगे है। सभी राजनीतिक दल चुनावों में घोषणा करते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे महिलाओं की सुरक्षा हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगे, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। महिलाओं के प्रति अपराधों पर 'एनसीआरबी' के आंकड़ों से साफ पता चलता है कि महिलाएं स्वयं को कहीं भी सहज और सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। देश में शायद ही कोई ऐसा राज्य हो, जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी न हुई हो। विडंबना है कि महिलाओं पर अपराध के मामलों में अधिकतर पति, प्रेमी, रिश्तेदार या कोई अन्य करीबी शख्स ही आरोपी निकले। इन मामलों में महिलाओं के पति या रिश्तेदारों द्वारा 31.4 फीसद क्रूरता, 19.2 फीसद अपहरण, 18.7 फीसद बलात्कार की कोशिश और 7.1 फीसद बलात्कार करने के मामले शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश में बलात्कार के कुल 31,516 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सर्वाधिक 5399 मामले राजस्थान में, 3690 मामले उत्तरप्रदेश, 3029 मध्यप्रदेश, 2904 महाराष्ट्र और 1787 मामले हरियाणा में दर्ज किए गए। महिलाओं के प्रति अपराध के मामले में देश की राजधानी दिल्ली सबसे आगे है, जहां 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14247 मामले दर्ज किए गए।

दिल्ली और राजस्थान जहां महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य हैं, वहीं दहेज के लिए जान लेने वालों में पहले स्थान पर उत्तरप्रदेश और दूसरे पर बिहार है। उत्तरप्रदेश में दहेज के लिए 2138 और बिहार में 1057 महिलाओं की हत्या कर दी गई, जबकि मध्यप्रदेश में 518, राजस्थान में 451 और दिल्ली में 131 महिलाओं की हत्या दहेज के लिए की गई। 'एनसीआरबी' के अनुसार प्रति एक लाख जनसंख्या पर महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 2021 में 64.5 फीसद से बढ़कर 2022 में 66 फीसद हो गई, जिसमें से 2022 के दौरान 19 महानगरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 48,755 मामले दर्ज किए गए। ये 2021 के 43,414 मामलों की तुलना में 12.3 फीसद ज्यादा हैं। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को लेकर अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि तमाम दावों, वादों और नारों के बाद भी आखिर देश में ऐसे अपराधों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? कितनी चिंतनीय स्थिति है कि जिस भारतीय संस्कृति में नारी को देवी के रूप में पूजा जाता है, वही नारी घर में भी सुरक्षित नहीं है। परिजनों के हाथों घरेलू हिंसा, दहेज हत्या, झूठी शान के लिए हत्या, बलात्कार और सहजीवन में जान गंवाने के मामले में स्थिति काफी दयनीय है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि महिलाएं न परिवार में, न आस–पड़ोस में और न ही बाहर के वातावरण में खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती हैं।

'राष्ट्रीय महिला आयोग' के आंकड़े देखें तो 2023 के 19 सितंबर तक ही महिलाओं के खिलाफ अपराध की कुल 20,693 शिकायतें मिलीं, जिनके इस वर्ष के अंत तक बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2022 में आयोग को 30,957 शिकायतें मिली थीं, जो 2014 के बाद सर्वाधिक थी। वर्ष 2014 में 30,906 और 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 30 हजार से ज्यादा शिकायतें मिली थी। आयोग ने तेजाब हमले, महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध, दहेज हत्या, यौन शोषण और दुष्कर्म जैसी कुल 24 श्रेणियों में शिकायत दर्ज की। सर्वाधिक शिकायतें गरिमा के साथ जीने के अधिकार को लेकर दर्ज की गई, उसके बाद घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, छेड़खानी और बलात्कार की शिकायतें हैं। दिल्ली में 'निर्भया कांड' के बाद महिलाओं के प्रति अपराधों पर लगाम कसने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए, उससे लगा था कि समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्त्वों के हौसले पस्त होंगे, पर शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले सामने न आते हों। ऐसे अधिकांश मामलों में प्रायः पुलिस–प्रशासन का भी गैर–जिम्मेदाराना रवैया दिखता है। यह निश्चित रूप से कानून–व्यवस्था और पुलिस–प्रशासन की उदासीनता का ही नतीजा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों में शायद ही कभी खौफ दिखता हो।

कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी–दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों, छेड़छाड़, मर्यादा हनन या फिर अपहरण, क्रूरता, आधी दुनिया के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्त्वों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती। स्पष्ट है, केवल कानून कड़े कर देने से महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों पर लगाम नहीं कसी जा सकेगी। इसके लिए जरूरी है कि सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त–दुरुस्त करने के साथ उसकी जवाबदेही सुनिश्चित करें। ऐसे मामलों में प्रायः पुलिस–प्रशासन की जिस तरह की भूमिका सामने आती रही है, वह काफी हद तक इसके लिए जिम्मेदार है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़ितों को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का काम करती रही है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी होगी?

जनसंख्या का बढता दबाव

–मनु गौड़–

यह याद रखा जाएगा कि भारत साल 2023 में सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया। भारत क्या अब जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाएगा? भारत की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए अनेक संगठनों द्वारा गत एक दशक से जनसंख्या नियंत्रण के लिए कई प्रयास किए गए। साथ ही, देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने हेतु तीव्र आवाज भी सुनाई देने लगी। ध्यान रहे, 1970 के दशक में जब भारत द्वारा जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य से बड़े स्तर पर नसबंदी कार्यक्रम चलाए गए, उसी 1970 के दशक में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए चीन द्वारा भी 35 वर्षों के लिए एक संतान की नीति अपनाई गई। दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत जनसंख्या इन्हीं दोनों देशों में निवास करती है।

जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में भारत और चीन के बढ़ते कदम को देखते हुए वैश्विक स्तर पर पश्चिमी समृद्ध राष्ट्रों के संगठन भी सक्रिय हो गए थे। विभिन्न देशों द्वारा चलाई जा रही जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित नीतियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अनेक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होने लगे थे। इन देशों का मकसद बड़ी आबादी वाले राष्ट्रों को एक बाजार के रूप में देखना तथा एशिया महाद्वीप में गरीबी व अस्थिरता बनाए रखना भी था, जिससे ये राष्ट्र अपनी बड़ी जनसंख्या हेतु संसाधनों की कमी से सदैव जूझते रहें और कभी भी विकसित देश की श्रेणी में न आ सकें। ऐसे सम्मेलनों में साल 1994 में आयोजित 'इंटरनेशनल कांफ्रेन्स फॉर पॉपुलेशन ऐंड डेवलपमेंट' (आईसीपीडी) प्रमुख है। चीन ने इस चाल को समय रहते समझ लिया और यही कारण है कि वह आज विकसित राष्ट्र की श्रेणी में अपना स्थान बना चुका है। दूसरी ओर, भारत अपनी जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की लड़ाई लड़ रहा है। मगर इस बात को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि इतनी बड़ी आबादी के बावजूद हम प्रगति कर रहे हैं।

जिस प्रकार मौजूदा सरकार ने अनुच्छेद–370 को हटाया या तीन तलाक को समाप्त किया है या देश में समान नागरिक संहिता की ओर कदम बढ़ाया है, वैसे ही अगर सरकार जन–भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में कदम उठाती है, तो कोई आश्चर्य नहीं। आगामी समय में इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, इन्हीं चिंताओं को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा एक नई चर्चा या भ्रम को जन्म देने का प्रयास किया गया है कि जनसंख्या दर में आ रही कमी के चलते भारत में बुजुर्गों की जनसंख्या बढ़ जाएगी। अभी भारत की कार्यशील जनसंख्या (15 से 64 वर्ष की उम्र के लोग) लगभग 100 करोड़ है और आश्रित जनसंख्या लगभग 43 करोड़ है। जहां भविष्य में 15 वर्ष की आयु से कम की जनसंख्या में कमी आएगी, वही 64 वर्ष से अधिक आयु वालों की संख्या में वृद्धि होगी, परंतु अर्थव्यवस्था पर कुल आश्रितों की संख्या में कोई बड़ा अंतर देखने को नहीं मिलेगा। हां, बुजुर्गों के हित में देश में सेवानिवृत्ति की आयु बढ़नी चाहिए। बढ़ती आबादी के साथ ज्यादातर लोगों को 58 साल की उम्र में ही सेवानिवृत्त कर देना उचित नहीं।

बढ़ती आबादी के साथ पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देना भी जरूरी है। भारत में वृद्ध माता–पिता की सेवा करना धर्म माना जाता है। वृद्ध होने पर पश्चिमी समृद्ध राष्ट्रों की भांति उन्हें वृद्ध आश्रमों में अकेला नहीं छोड़ा जाता है, इसलिए ऐसे संगठनों द्वारा प्रस्तुत किए गए इस प्रकार के आंकड़ों से भारत को चिंतित होने की कोई जरूरत नहीं है। बच्चों की देखरेख–शिक्षा का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए, ताकि बढ़ती आबादी हमारे समाज को बिखेर न पाए।

हमें समझना होगा, बुजुर्गों की अधिक संख्या संबंधी भ्रम फैलाने का मूल मकसद महज यही है कि भारत जनसंख्या नियंत्रण की नीति न बनाए और संसाधनों की कमी के कारण गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, प्रदूषण आदि की समस्याएं बनी रहें। यदि भारत को वास्तव में विश्व में सर्वशक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरना है, तो नए साल में जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्रयास करना चाहिए, जैसा 15 अगस्त, 2019 को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कार्यालय, नगर पंचायत मुण्डेरवा, जनपद-बस्ती

निविदा सूचना

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवसृजित नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु आफ लाइन सील बन्द निविदा दिनांक 14.01.2024 को अपरान्ह 03 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। प्राप्त निविदा उसी दिन अपरान्ह 04 बजे उपस्थित ठेकदारों अथवा उनके प्रतिनिधियो के उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 12.01.2024 साय 05 बजे तक निर्धारित कीमत जमा करके प्राप्त किया जा सकता है। कार्य वावत् विशेष जानकारी किसी भी कार्य दिवस में नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती से प्राप्त किया जा सकता है। कार्यों वावत् धरोहर धनराशि आगणन का 10 प्रतिशत की धनराशि का एन०एस०सी०/ई०वी०पी०जी०/राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ०डी0आर० के रूप में स्वीकार किया जायेगा, जो अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत मुण्डेरवा बाजार, बस्ती के पद नाम से बन्धक के साथ निविदा डालते 02 प्रतिशत धनराशि का एन०एस०सी०/ई०वी०पी०जी०/राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ०डी0आर० जमा करना अनिवार्य होगा। अवशेष धरोहर धनराशि अनुबन्ध के समय जमा करना अनिवार्य होगा। बिना धरोहर धनराशि के किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा अथवा सम्पूर्ण निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में सुरक्षित होगा। निविदा के साथ बैध्य हैसियत प्रमाण पत्र/चरित्र प्रमाण पत्र/पैन नम्बर/जी०एस०टी०पंजीयन/लेवर पंजीयन/तीन वर्ष का आयकर रिटर्न/अनुभव प्रमाण पत्र के साथ अन्य पपत्र का सत्यापित छायाप्रति प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

क्र0सं0	कार्य का नाम	आगणन धनराशि (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	कीमत टेन्डर फार्म (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	नगर पंचायत मुण्डेरवा में युनियन ए० टी० एम0 से जमुना दुबे के प्लाट तक नाला ढक्कन सहित निर्माण कार्य।	4.96	0.496	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
2	नगर पंचायत मुण्डेरवा में सोनू के प्लाट से प्रताप नरायण के दुकान तक नाला ढक्कन सहित निर्माण कार्य।	4.94	0.494	500+90 +200 = 1380.00	90 दिन
3	नगर पंचायत मुण्डेरवा में सिंह पतंजलि दुकान से पी०एन० सिंह के प्लाट तक नाला ढक्कन सहित निर्माण कार्य।	4.97	0.497	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
4	नगर पंचायत मुण्डेरवा में परशुराम के घर से रामतौर के घर तक नाला ढक्कन सहित निर्माण कार्य ।	4.97	0.497	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
5	नगर पंचायत मुण्डेरवा में प्रेम हलवाई के प्लाट से बावर्ची के घर तक नाला ढक्कन सहित निर्माण कार्य ।	4.83	0.483	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
6	नगर पंचायत मुण्डेरवा में राम भजन के प्लाट से पुलिया तक नाला ढक्कन सहित निर्माण कार्य ।	4.97	0.497	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
7	वार्ड नं 01 अम्बेडकर नगर में ओमप्रकाश के घर से बाग तक सी० सी० सड़क व नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य।	5.08	0.508	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
8	वार्ड नं 02 गौतमबुध नगर में अहरा मार्ग से हरिराम के घर लक सी०सी० सडक एवं नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य ।	7.94	0.794	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
9	वार्ड नं 03 लोहिया नगर में लालगंज मार्ग से जुगुल किशोर के घर तक सी० सी० सड़क का निर्माण कार्य।	6.20	0.62	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
10	वार्ड नं 04 शास्त्री नगर में अशरफ के प्लाट से शिवमति के घोटा तक सी० सी० सड़क का निर्माण कार्य ।	6.02	0.602	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
11	वार्ड नं 05 इन्द्रानगर में आनन्द के मकान से हरिवंश तक सी० सी० सड़क का निर्माण कार्य।	8.71	0.871	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
12	वार्ड नं 06 नेताजी सुभाषनगर में काटे मार्ग से गड्ढा एक सी० सी० सड़क का निर्माण कार्य।	7.95	0.795	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
13	वार्ड नं 07 श्रीराम नगर में प्राथमिक विद्यालय के बगल से पिच रोड़ तक सी० सी० सड़क का निर्माण कार्य ।	5.72	0.572	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
14	वार्ड नं 10 गांधी नगर में नाटे के मकान से गेही के घर होते हुये बेचन के मकान तक सी०सी० सड़क व नाली हक्कन सहित निर्माण कार्य ।	8.97	0.897	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
15	वार्ड नं 11 शहीद बद्री प्रसाद नगर में रंजीत के मकान से वकील के मकान तक सी० सी० सडक व नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य।	9.22	9.22	500+90 +200 = 790.00	90 दिन
16	नगर पंचायत मुण्डेरवा प्राथमिक विद्यालय उमरी अहरा में बाउन्ड्रीवाल उच्चीकरण टाईलीकरण टायलेट किचन शेड व पाथ वे का निर्माण कार्य।	8.92	8.92	500+90 +200 = 790.00	90 दिन

नोटः—

01— निविदादाता को मु0 100.00 रूपये के नान जुडिसियल स्टाम्प पेपर पर निर्धारित प्रारूप पर नोटरी द्वारा सत्यापित कराकर स्व घोषणा पत्र देना अनिवार्य होगा ।

02— कार्यादेश प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अनुबन्ध कराना अनिवार्य होगा। अन्यथा की दशा में अर्थदण्ड/निविदा निरस्त की कार्यवाही कर दी जायेगी।

अधिशाषी अधिकारी — नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती

अध्यक्ष — नगर पंचायत मुण्डेरवा, बस्ती

कार्यालय, नगर पंचायत मुण्डेरवा, जनपद–बस्ती

पत्रांक 827 (B) न0पं0मु0/निर्माण/2023–24 दिनांकः– 30.12.2023

नाबालिग पर जुल्म की हदें पार, भीषण सर्दी में कपड़े उतारकर सीने पर रखा पैर, पीटकर तालाब में खड़ा किया

संवाददाता–कुशीनगर। नाबालिग के साथ जुल्मों की सारी हदें पार कर दी गईं। दबंगों ने भीषण सर्दी में नाबालिग के कपड़े उतारे। इसके बाद उसने सीने पर पैर रख दिया। दबंगों का फिर भी मन नहीं भरा तो उसकी बेल्टों से पिटाई करने के बाद नाबालिग को खड़ा कर दिया। दबंगों ने नाबालिग को पीटने के दौरान एक वीडियो भी बनाया, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि 13 साल का नाबालिग दबंगों से रहम की भीख मांग रहा है लेकिन दबंग उस पर तरस नहीं खा रहे हैं। नाबालिग ने दबंगों के सामने हाथ–पैर जोड़े और उसे छोड़ने की गुहार लगाई, लेकिन उसे पीटते रहे। वायल वीडियो रामकोला थाना क्षेत्र के रामपुर भाठ का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि दबंगों ने नाबालिग के पहले कपड़े उतरवाए। इसके बाद उसकी बेल्टों से पिटाई की। फिर भी जी नहीं भरा तो उसके सीने पर पैर रख दिया। भीषण सर्दी में दबंगों ने नाबालिग को खुले आसमान के नीचे तालाब में खड़ा कर दिया। कड़ाके की ठंड में नाबालिग दबंगों से बचने के लिए काफी देर तक तालाब के ठंडे पानी में खड़ा रहा। कुशीनगर पुलिस ने बताया कि घटना चार दिसंबर की है। नाबालिग ने दबंगों के डर की वजह से अपने घर में किसी को कुछ भी नहीं बताया और कहीं शिकायत भी नहीं की। जब वीडियो वायरल हुआ तो पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

प्रमोद जिला उपाध्यक्ष और अमित बने महामंत्री

संवाददाता–महराजगंज। अखिल क्षत्रिय महासभा जिला इकाई की एक बैठक रविवार को नौतनवा कस्बे में आयोजित की गई। इसमें मौजूद बतौर मुख्य अतिथि संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री रणवीर सिंह एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता कालिका सिंह ने कोल्हुई के प्रमोद सिंह को जिला उपाध्यक्ष एवं अमित सिंह एडवोकेट को जिला महामंत्री नामित किया।

राष्ट्रीय महामंत्री रणवीर सिंह एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता कालिका सिंह ने कहा कि आज महासभा निरंतर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम कर लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य कर रहा है। संगठन बच्चों की पढ़ाई, आपसी विवाद को दूर करने, बच्चियों की शादी में सहयोग आदि सामाजिक कार्य करने में हमेशा तत्पर रहता है। बैठक की अध्यक्षता ज्ञानेश सिंह एवं संचालन जिला अध्यक्ष यूथ विंग ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने किया। बैठक के दौरान जिले स्तर के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इसमे अजय सिंह जिला मंत्री, रवि प्रताप सिंह जिला मंत्री यूथ विंग, पंकज कुमार सिंह तहसील अध्यक्ष फरेंदा, अमरेंद्र प्रताप सिंह ब्लॉक अध्यक्ष बृजमनगंज, अमित सिंह उर्फ राजन सिंह जिला मंत्री बनाए गए।

महंत जानकी शरण की 20 वीं पुण्यतिथि पर संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। स्वर्गद्वार स्थित सिद्धपीठ श्री सद्गुरु बधाई भवन मन्दिर के पूर्वाचार्य साकेतवासी महंत जानकी शरण महराज की 20 वी पुण्यतिथि पर अयोध्या के संतों महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि श्री महाराज जी अयोध्या के संतों की मणिमाला में से एक थे और हमेशा प्रभु की सेवा और गांव सेवा संत सेवा अतिथि सेवा में लीन रहते थे और सेवा को ही ईश्वर प्राप्ति का रास्ता मानते थे। श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर मंदिर के वर्तमान महन्त राजीव लोचन शरण महाराज ने कहा कि स्वामी जानकी शरण अद्वितीय संत रहे। साथ ही धार्मिक विद्वान के साथ ही सभी भक्तों को सद मार्ग प्रदान किया। वे सदैव ही साधु संत समाज को नई दिशा प्रदान किए। हम सभी को उनके बताए हुए पद चिन्हों पर चलना चाहिए। इसके अलावा अयोध्या के प्रमुख धर्म आचार्यों ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व कृतित्व पर वृहद रूप से प्रकाश डाले। इस दौरान हजारों की संख्या में विराट साधु संत समाज का विशाल भंडारा हुआ। जिसमें आए समस्त संतों को मंदिर के परमार्थी गौ संत सेवी महन्त राजीवलोचन शरण महाराज ने अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत सम्मान किया श्रद्धांजलि सभा में मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास , जगतगुरु रामदिनेशाचार्य,लक्ष्मण किला के महंत मैथिली रमण शरण,बावन मंदिर के महंत वैदेही बल्लभ शरण, तुलसी छावनी के महंत जनार्दन दास, श्रीराम आश्रम के महंत जयराम दास,महंत जन्मेजय शरण, महंत स्वामी अवधेश कुमार दास, महंत मनीष दास महामंडलेश्वर गिरिश दास, नगराम लखन दास, भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित भाजपा के वरिष्ठ नेता विशाल मिश्रा सहित हजारों संत महंत उपस्थित होकर श्री महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। अमरुतिया वार्ड में रविवार की सुबह उस समय गहमा–गहमी बन गई, जब लोगों ने वहां स्थापित डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा खंडित देखी। शनिवार की रात ही अराजकतत्वों ने प्रतिमा की उंगली खंडित की थी। रविवार को नाराज लोगों ने मौके पर धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन की खबर मिलते ही एसडीएम दिनेश मिश्रा, सीओ आभा सिंह, तहसीलदार राजेश यादव व कोतवाल सहित पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। अफसरों ने लोगों को समझा–बुझाकर शांत किया। प्रतिमा की मरम्मत, परिसर की बाउंड्री व सीसीटीवी कैमरे लगवाने की प्रक्रिया शुरू करा दी गई। अमरुतिया वार्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास डॉ. भीमराव आंबेडकर और गौतम बुद्ध की प्रतिमा है। यहां लोग समय–समय पर जुटते हैं। रविवार की सुबह जब इधर लोग पहुंचे तो डॉ. आंबेडकर की एक उंगली खंडित मिला। यह खबर तेजी से फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। लोगों ने वहीं धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर कोतवाल समेत बड़ी संख्या में राजस्व कर्मी भी पहुंच गए। मौके पर पहुंची नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. पुष्पलता मंगल ने इस घटना पर गहरा दुख जताया। कहा कि यह प्रतिमा छठीं बार खंडित की गई है। आज उन्हें बहुत दुख हुआ। आगे ऐसा न हो इसके लिए प्रशासन से बात हुई है। प्रशासन ने आश्वस्त भी किया है। बताया कि कल से ही बाउंड्री का काम शुरू हो जाएगा। तत्काल सीसीटीवी कैमरा लगवाया जा रहा है। रास्ते को लेकर कुछ समस्या है, जिसका समाधान करवा दिया जाएगा। आभा सिंह, सीओ सदर ने कहा कि मौके पर लोगों को समझा–बुझाकर शांत करा दिया गया है। खंडित मूर्ति की मरम्मत कराई जा रही है। मामले में तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई होगी।

जिले में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 6700 छात्र हुए शामिल

संवाददाता–बलरामपुर। कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष में रविवार को 22वीं प्रतिभाखोज परीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा देवीपाटन मंडल के चारों जिलों के साथ–साथ बाराबंकी, आयोध्या, गोरखपुर, लखनऊ व बस्ती जनपद में भी आयोजित हुई है। बलरामपुर जनपद में 6700 छात्र परीक्षा में सम्मिलित हुए। जिसमें से 2650 छात्रों ने शक्ति स्मारक संस्थान दुलहिनपुर में प्रतिभाग किया। यह परीक्षा जूनियर, मिडिल व सीनियर सहित तीन वर्गों में आयोजित की गई है।

शक्ति स्मारक संस्थान दुलहिनपुर के प्राचार्य ने बताया कि परीक्षा का परिणाम पांच जनवरी को घोषित किया जाएगा। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को मोटर साइकिल व स्कूटी एवं द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने छात्रों को क्रमशरू 21 हजार एवं 16 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा पांच–पांच बच्चों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। तहसील स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार का वितरण कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह के जन्म दिवस पर आठ जनवरी को नंदनी नगर पीजी कॉलेज नबाबगंज गोंडा में किया जाएगा।

इसी तरह एमजे एक्टिविटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल उतरौला में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस केन्द्र पर जूनियर वर्ग में 450, मध्यम वर्ग में 320 और सीनियर वर्ग में 255 छात्रों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा का आयोजन कराने में विद्यालय प्रबंधक समीर रिजवी, प्रधानाचार्य डा. हिमांशु धर द्विवेदी, उप प्रधानाचार्य डा. अवधेश श्रीवास्तव, प्रिंस कुमार मिश्रा, मेराज अहमद, मीसम रिजवी सहित अन्य शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। इस परीक्षा के सफल संचालन में विशेष निरीक्षक के रूप में शक्ति स्मारक संस्थान के बीएड विभाग के अध्यक्ष डा. डीएस सिंह एवं डा. राकेश सिंह उपस्थित रहे।

जिले के 844 बूथों पर सुना गया मन की बात कार्यक्रम

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के 844 बूथों पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपाइयों की ओर से सुना गया। जिलाध्यक्ष सहित जिला पंचायत अध्यक्ष, भाजपा विधायक व अन्य कार्यकर्ताओं ने अपने आवंटित बूथों पर पीएम के मन की बात को सुना।

भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने भिनगा नगर के बूथ संख्या 148, बगुरैया गलकटवा में बूथ समिति के कार्यकर्ताओं व लोगों के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को सुना। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम से राष्ट्रसेवा व जन कल्याण के लिए नई ऊर्जा का संचार होता है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से आदिवासी क्षेत्र में खुले विद्यालयों सहित राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चर्चा और रानी बेस नायिका के संघर्ष का बखान तथा सावित्री बाई फुले की सेवा को सामाजिक न्याय का अद्भुत उदारहण बताया गया है। जिनका हम सभी को अनुसरण करना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष दहन मिश्रा की ओर से गिलौला क्षेत्र के बूथ संख्या 211, 212 भिखारीपुर मसडी में बूथ अध्यक्ष, बूथ समिति सदस्यों व कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। विधायक राम फेरन पाण्डेय की ओर से इकौना क्षेत्र के बूथ संख्या 303, 304 इटवारिया भामेपारा पर बूथ समिति के सदस्यों व ग्रामवासियों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। इसके साथ ही लोकसभा संयोजक शंकर दयाल पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय कैरावी पटेल, महेश मिश्रा, दिवाकर शुक्ला, पुरुषोत्तम कौशल, रमन सिंह, प्रेम सिंह नायक, अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, नेकराम पण्डेय, सरिता सिंह, गीता गुप्ताआदि ने भी मन की बात कार्यक्रम को सुना।

अवध केसरी सेना के अध्यक्ष पर हमले में एक और गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। अवध केसरी सेना के प्रदेश अध्यक्ष नील ठाकुर पर जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब तक इस मामले में आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसी मामले नामजद ब्लाक प्रमुख पुत्र पुलिस के हाथ नहीं लग सका है। वह अब भी फरार ही चल रहा है। नगर कोतवाली क्षेत्र में 21 दिसंबर की रात करीब सोनी गुमटी क्रॉसिंग के पास घर जाते समय अवध केसरी सेना के प्रदेश अध्यक्ष नील ठाकुर को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। उन्हें आनन–फानन में बाबू ईश्वर शरण अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया गया था। नील का पीजीआई में इलाज चल रहा है। इस मामले में मुकदमा दर्ज करने के बाद से ही गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई थी। पुलिस अब तक चार नामजद व दो प्रकाश में आये आरोपी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। रविवार को थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा इस मामले में प्रकाश में आये अभियुक्त द्वारिका दत्त तिवारी पुत्र शेष दत्त निवासी खानपुर थाना तरबगंज को बीएसएनएल आफिस के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी में दरोगा संजीव सिंह मय टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डीएम, एसपी व सीडीओ ने दी नववर्ष की शुभकामना

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह व सीडीओ अनुभव सिंह ने जनपद वासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। साथ ही सुख समृद्धि की कामना की है। डीएम ने कहा कि जिले में जो भी विकास कार्य चल रहे है उसे गति दी जाएगी और जनपद के चहुमुखी विकास के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शांति व अमन चैन के वातावरण से ही विकास का चक्र निरन्तर बढ़ता रहता है। इसलिए लोगों को गिले शिकवे भुला कर हमेशा शांति व विकास के लिए अपना सहयोग देना चाहिए।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा व पूजित अक्षत वितरण समिति ने शहर में किया भव्य आयोजन

संवाददाता–गोंडा। श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में शहर में रविवार को महामंगल कलश यात्रा पूर्वाह्न 11 बजे के बाद पुरानी हनुमान मंदिर रामलीला मैदान से निकाली गई। श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा व अक्षत वितरण समिति की ओर से आयोजित कलश यात्रा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सिर पर कलश रखे भक्तों ने जय श्री राम के उद्घोष ने गोनार्द की धरती को गुंजायमान कर दिया। महामंगल कलश यात्रा के दौरान पूरा शहर राममय हो गया। सजे–धजे हाथी, घोड़ों तथा त्रेता युगीन झांकियों के साथ निकाली गई शोभायात्रा में लाल पीले रंग के भारतीय मंगल परिधान में हजारों महिला, पुरुष और बच्चों ने हर्षोल्लास के साथ प्रतिभाग किया। करीब तीन किलोमीटर लम्बे जुलूस के दौरान डीजे पर भगवान श्रीराम की स्तुति तथा मंदिर आंदोलन से संबंधित गीत राम भक्तों में उत्साह का संचार कर रहे थे। बाल स्वरूप भगवान, शबरी माता, निषाद राज, हनुमान जी और राम दरबार की झांकियों के साथ प्रभु श्री राम के गगनभेदी जयकारा लग रहे थे। इसमें हिंदू समाज के सभी वर्गों यथा सिख समाज, साहिब बंदगी, आनंदपुर आश्रम, ब्रह्मा कुमारीज, गायत्री परिवार, जय गुरुदेव समेत सभी का सक्रिय सहयोग रहा। शोभा यात्रा हनुमान गढ़ी रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर मनोरंजन चौराहा, पीपल चौराहा, भरत मिलाप चौराहा, महाराजगंज चौराहा, गुड्डू मल चौराहा से गुरु नानक चौक होते हुए बाबा दुख हरण नाथ मंदिर पर राम दरबार की भव्य आरती व प्रसाद वितरण के साथ पूर्ण हुई। विशेष आकर्षण के तौर पर बहनों ने त्रिभुज आकार के साथ बुलेट मोटर साइकिल से इस शोभायात्रा की अगुवाई की। दुखहरण नाथ मंदिर पर समिति द्वारा आरती के पश्चात श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या से आया हुआ प्रसाद सभी राम भक्तों में वितरित किया गया। समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र आर्य ने बताया कि श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के द्वारा पूजित अक्षत वितरण का कार्यक्रम पूरे देश में एक से 15 जनवरी के मध्य होना सुनिश्चित है। बताया कि 22 जनवरी को श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में राधाकुंड पर भव्य दीपोत्सव और सजीव प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालु करते रहे पुष्पवर्षा रू राम लला की महामंगल कलश यात्रा में शहर के पुरानी हनुमान गढ़ी मंदिर से लेकर राम भक्तों की यात्रा पर जगह जगह पर पुष्पवर्षा करते रहे। लोग घरों के सामने गुलाब और गेंदे के फूल से पुष्प वर्षा कर यात्रा में शिरकत किया। राम लला प्राण प्रतिष्ठा की शामिल होकर लोगों ने खुद को धन्य समझा। राम यात्रा में शामिल हुई दस हजार महिलाएं रू रविवार को राम लला प्राण प्रतिष्ठा में लाल और पीले वस्त्र में महामंगल कलश यात्रा में शमिल हुई। जो अब तक किसी भी यात्रा में सबसे अधिक रही है। भूपेंद्र आर्या ने बताया कि लगभग दस हजार के करीब महिलाएं और बेटियां राम लला की यात्रा में शामिल होकर यात्रा को भव्य और दिव्य बना दिया है।इस मौके पर समिति के सचिव विशाल अग्रवाल, वित्तीय सिंह, अतुल, विजय दुबे, रवि महंत, नेहा भारद्वाज, डा. रेखा शर्मा, उमेश शुक्ला, प्रिंस चौरसिया, आरएसएस संघ के क्षेत्र सह संपर्क प्रमुख मनोज, श्रीमान सिंह, पंकज अग्रवाल, जिला प्रचारक आकाश और नगर प्रचारक सूरज, जिला कार्यवाह अश्वनी शुक्ला, रणविजय सिंह, नगर कार्यवाह धर्मेंद्र पांडेय, व्यापारी नेता शिव कुमार सोनी, विविप से जुड़े शारदाकांत पांडे, वर्षा सिंह, श्रीकांत पांडे, अतुल, विजय दुबे, रवि महंत, नेहा भारद्वाज, रेखा शर्मा, धर्मेंद्र पांडे, रणविजय, आकाश, सूरज, गौरीशंकर तिवारी, शिवाकांत शुक्ला, जमुना सिंह, अभिषेक दत्त त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ मे 12 लाख लूटकांड के फरार दो बदमाश घायल

संवाददाता–गोरखपुर। बदमाशों की पहचान राज पंडित उर्फ गोविन्द उपाध्याय पुत्र त्रियुगी उपाध्याय निवासी पगार थाना बांसगांव जनपद गोरखपुर, शुभम पाण्डेय पुत्र बेरुडिहा निवासी थाना बांसगांव जनपद गोरखपुर के रुप में हुई है इनके पास से 0.315 बोर का एक अवैध तंमचा, एक खोखा व एक जिन्दा कारतूस, एकअवैध पिस्टल, 01 खोखा व 01 जिन्दा कारतूस बरामद हुआ है। जिले में बेलीपार पुलिस ने मुठभेड़ में दो बदमाशों को गोली मारी है। दोनों घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि ये बदमाश 12 लाख रूपये की लूट में वांछित थे। पुलिस को कई दिनों से इनकी तलाश थी।बदमाशों की पहचान राज पंडित उर्फ गोविन्द उपाध्याय पुत्र त्रियुगी उपाध्याय निवासी पगार थाना बांसगांव जनपद गोरखपुर, शुभम पाण्डेय पुत्र बेरुडिहा निवासी थाना बांसगांव जनपद गोरखपुर के रुप में हुई है।

इनके पास से 0.315 बोर का एक अवैध तंमचा, एक खोखा व एक जिन्दा कारतूस, एकअवैध पिस्टल, 01 खोखा व 01 जिन्दा कारतूस बरामद हुआ है। बेलीपार इलाके के जीतपुर गांव के पास धस्का निवासी सुजीत से 12 लाख रुपये लूट में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने घटना का पर्दाफाश कर दिया। घटना की साजिश सुजीत के दोस्त शिवम ने रची थी। उसे मालूम था कि सुजीत रुपयों से भरा बैग लेकर जाने वाला है। उसने मोबाइल फोन पर बातचीत कर उसका लोकेशन ले लिया था। इसके बाद शिवम ने अपने साथियों को भेजकर लूट की घटना करा दी

शिवम ने ही एक साथी की मदद से पुलिस को लूट की सूचना दी थी। घटना में शामिल चार अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगी है। आरोपियों के पास से पुलिस ने पिस्टल, कारतूस, तीन लाख 65 हजार रुपये नकद, 100–100 डालर के 40 नोट, 100 यूरो का एक नोट, लूटा गया बैग और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद कर ली है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान खजनी के सतुआभार निवासी शिवम उर्फ सोनू, बांसगांव के भैसाबाजार निवासी रामआशीष और प्रदीप यादव के रूप में हुई है, जबकि पगार गांव निवासी राज पंडित उर्फ गोविंद, राकेश कुमार, सत्यम राय और एक अन्य फरार हैं।

200 कुण्डीय महायज्ञ में 600 दंपतियों, स्कूली बच्चों ने किया सामूहिक यज्ञ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती वर्ष के अवसर पर प्रांतीय आर्य वीर दल के उत्तर प्रदेश के निर्देशन में आर्य वीर दल बस्ती द्वारा श्रीकृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेज बस्ती में 200 कुण्डीय महायज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 600 दंपतियों और स्कूली बच्चों ने सामूहिक यज्ञ कर लोगों को पर्यावरण शोधन संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात आर्य वीर दल के बच्चों ने सर्वांग सुंदर व्यायाम, सूर्य नमस्कार और जूडो कराटे का प्रदर्शन किया। इसमें मुख्य रूप से सुभद्रा कुमारी पाण्डेय स्कूल, पाण्डेय कन्या इंटर कॉलेज और पाण्डेय इंटर कॉलेज स्वामी दयानन्द विद्यालय तथा खलीलाबाद के बच्चों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम का संचालन आचार्य देवव्रत आर्य ने किया।

ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राजमाता आशिमा सिंह ने कहा कि जब संसार में किसी देश का कोई ध्वज प्रतीक नहीं था तो यह भगवा ध्वज हमारे चक्रवर्ती सम्राटों का प्रतिनिधित्व करता था। अग्निहोत्र के विषय में बताते हुए राजमाता ने कहा कि हम अपने कार्यों से प्रकृति पर्यावरण को प्रदूषित करते रहते हैं। उसका प्रायश्चित केवल औषधि युक्त हवन अग्निहोत्र ही है। इस अवसर पर सर्वेश कुमार सक्सेना प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक सिद्धार्थ नगर, धर्मेंद्र कुमार चौरसिया, राजमाता आशिमा सिंह, अशोक कुमार सिंह स्टेनो, अजय कुमार पाण्डेय प्रबंधक श्री कृष्ण पाण्डेय इंटर कॉलेज बस्ती, राकेश कुमार पाण्डेय पूर्व प्राचार्य किसान इंटर कॉलेज बस्ती, योगेश शुक्ल प्रधानाचार्य पांडे इंटर कॉलेज बस्ती को ओम चित्र देकर के सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर योगेश शुक्ल ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती केवल विदेशी हमले को अपनी क्रांति से नहीं रोका बल्कि गुरुकुल प्रणाली को पुनर्जीवित कर वैदिक धर्म की पुनः स्थापना की। यह देश ऐसे ही सोने की चिड़िया नहीं बना है इसकी जड़ें वेदों के ज्ञान जल से अभिसिंचित हैं। ओम प्रकाश आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद ने वेदों की ओर लौटो का नारा देकर संसार को आर्य बनाने की प्रेरणा दी। पंकज आर्य प्रधान संचालक आर्य वीर दल उत्तर प्रदेश में कहा कि आर्य वीर दल देश का प्राण है इसका प्रसार ही देश को सुरक्षित रख सकता है। अंत में अजीत कुमार पाण्डेय जिला संचालक आर्य वीर दल बस्ती ने सबके प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अशोक तिवारी आर्य वीर दल बलरामपुर ने प्रशस्ति पत्र देकर पंकज आर्य को सम्मानित किया। कार्यक्रम में आदित्य नारायण, रामप्रसाद त्रिपाठी, राधेश्याम आर्य, मुरलीधर भारती, चंद्र प्रकाश पांडे, गोपेश्वर त्रिपाठी, घनश्याम आर्य, आयुष आर्य, राहुल आर्य, रोहित सोनकर, राजकुमार सिंह, मुन्ना प्रसाद, घनश्याम आर्य, रामकुमार वर्मा, नवल किशोर चौधरी सहित अनेक लोग सम्मिलित रहे।

आंदोलित कास्तकारों को 2 को लारा कोर्ट में बुलाया

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण की खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी परियोजना का काम लगातार चौथे दिन रविवार को भी ठप रहा। उधर, आंदोलित ग्रामीणों को प्राधिकरण ने भूमि अर्जन पुनर्वासन प्राधिकरण (लारा कोर्ट) में 2 जनवरी मंगलवार को सुनवाई के लिए आमंत्रित किया है। यह भी अपील किया है कि वे मुआवजा में बढ़ोतरी के लिए आंदोलन न करें। प्राधिकरण उनकी मांग के समर्थन में उनके साथ खड़ा है।

जमीन बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने हिन्दुस्तान को बताया कि प्राधिकरण के सचिव यूपी सिंह ने रविवार को कॉल कर लारा कोर्ट में मंगलवार को आने के लिए आमंत्रित किया। समिति की अध्यक्ष तारा देवी, पृथ्वीराज पासवान, रामप्रीत, लालती देवी, बबलू, चन्द्रजोति, अवध नारायण सिंह, जय, कमला देवी, शकुंतला देवी, बलवंती, सुभावती, उर्मिला देवी, सुनरी, विंद्रावती देवी ने बताया कि रविवार को मौके पर कोई कामकाज नहीं हुआ। कहा कि लारा में जब तक बढ़ा हुआ उचित मुआवजा निर्धारित नहीं हो जाता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

पीएम की रैली के बाद अब सपा करेगी अधिवेशन, दो दिन रहेगा दिग्गज नेताओं का जमावड़ा

संवाददाता–अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शनिवार को जिले में हुई रैली से सपा खेमे में भी खलबली दिखी। पार्टी के बड़े नेता व लोकसभा चुनाव में दावेदारी करने वालों की इस पर पैनी नजर रही। अब इसकी काट ढूंढते हुए सपा ने भी एक अधिवेशन का ऐलान किया है, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत अन्य बड़े नेताओं का जमावड़ा होगा। शनिवार को एयरपोर्ट के निकट हुई प्रधानमंत्री की रैली में ज्यों–ज्यों समर्थकों की भीड़ जुट रही थी, विपक्षी दलों की चिंता भी बढ़ रही थी। लोग इसे शुरू से ही चुनावी रैली मान रहे थे। इसलिए इसमें पहुंचने वालों की संख्या जानने को वह उत्सुक दिखे। लोकसभा चुनाव में सपा से दावेदारी कर रहे कुछ बड़े नेताओं ने तो अपने सूत्रों को भी रैली में भेज दिया था। रैली के वास्तविक हालात की सटीक जानकारी के लिए कुछ नेता मीडियाकर्मियों से फोन पर पल–पल की अपडेट लेते रहे। इस पर काउंटर अटैक करने के लिए सपा ने भी मजबूत रणनीति बनाई है। इसके लिए दो दिवसीय अधिवेशन में दिग्गज नेताओं का जमावड़ा होगा। इसमें उमड़ने वाली भीड़ से सपा भी ताकत का एहसास कराएगी। इसी से चुनावी शंखनाद की नींव भी तैयार होने की संभावना है। सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने बताया कि 22 जनवरी के बाद सपा शीर्ष नेतृत्व ने अयोध्या में ही दो दिवसीय अधिवेशन किया जाएगा। पहले दिन प्रदेश स्तर के नेता प्रतिभाग करेंगे। जबकि, आखिरी दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत अन्य राष्ट्रीय स्तर के नेता मौजूद रहेंगे। इसकी तैयारी भी शुरू की गई है।

महिला की खुदकुशी मामले में बैंक अधिकारी और उनकी पत्नी पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। प्राइवेट बैंक के अधिकारी और उनकी पत्नी की प्रताड़ना से आजिज महिला कर्मचारी ने गोरखपुर में आत्महत्या कर ली। महिला के पिता की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने बैंककर्मी और उनकी पत्नी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। गोरखपुर के गोरखनाथ थानाक्षेत्र के राजेंद्रनगर पूर्वी में रहने वाले कमलकांत चतुर्वेदी ने शाहपुर पुलिस को तहरीर दिया। उन्होंने लिखा कि उनकी बेटी श्वेता एक प्राइवेट बैंक में काम करती थी। 10 साल पूर्व श्वेता की शादी रामजानकी नगर में रहने वाले बेसिक शिक्षा कार्यालय में तैनात नितिन त्रिपाठी से की थी। दोनों की छह साल की एक बेटी भी है। तीन दिसंबर की शाम को अपने मकान में प्रथम तल स्थित कमरे में दुपट्टे का फंदा बनाकर श्वेता लटक गई। फंदे पर लटकने से पहले उसने नितिन के मोबाइल फोन पर वीडियो भेजकर बैंक के अधिकारी सूरज और उनकी पत्नी रश्मि पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। इस वीडियो को देखने के बाद कमरे में पहुंचे नितिन ने दरवाजा तोड़कर फंदे से लटक रही श्वेता को नीचे उतारा। फिर उसे एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां उसकी मृत्यु हो गई। इस संबंध में एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज करके जांच की जा रही है। साक्ष्य के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

महिला को निर्वस्त्र कर पूरे गांव में दौड़ाकर पीटा

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवां इलाके के एक गांव में विवाहिता को पति व देवर ने गांव में निर्वस्त्र कर पीटा। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर मारपीट कर गला दबाकर हत्या की भी कोशिश की गई। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस दहेज उत्पीड़न, मारपीट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच कर रही है। विवाहिता ने तहरीर में लिखा है कि उसकी दूसरी शादी हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र में हुई है। उसके दो बच्चे भी हैं। शादी के बाद पति व देवर उसे और बच्चे को मारते–पीटते थे। आरोप है कि पति व देवर ने गला दबाकर मारने की कई बार कोशिश की। दोनों ने निर्वस्त्र कर पूरे गांव में दौड़ाकर पीटा और घर से निकाल दिया। आरोप है कि हरपुर बुदहट थाने पर कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने एसएसपी से गुहार लगाई। एसएसपी के निर्देश पर सहजनवां पुलिस ने पति व उसके भाई के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर साधा निशाना

संवाददाता–अयोध्या। 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम अपने भव्य निजनिवास स्थान पर प्रवेश करेंगे। पीएम मोदी अपने हाथों से प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। इसके लिए अयोध्या में पूरी तरह से तैयारी चल रही है। शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने श्रीअयोध्या धाम जंक्शन जनता को समर्पित किया। अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन फेज–1 में विश्वस्तरीय सुविधाएं दी गयी हैं। 241 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किए गए अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की कुछ सुविधाएं ऐसी हैं जो एयरपोर्ट्स पर भी देखने को नहीं मिलती हैं। वहीं, अब शिवसेना(न्डउ) सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर तंज कसा है। संजय राउत ने कहा, ध्वज तक लोकसभा का चुनाव हो रहा है तब तक ध्वज और सरकार अयोध्या से चलेगी। हम भी राम भक्त हैं। हमने और हमारी पार्टी ने राम मंदिर के लिए खून, त्याग और बलिदान दिए हैं लेकिन इस तरह की राजनीति देश में न कभी हुई है और न कभी होगी। हम 5000 साल पीछे जाकर देख चला रहे हैं। इसके अलावा भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के दिन दीपक जलाने पर संजय राउत ने कहा कि घर घर में राम ज्योति जलाने के लिए भाजपा की जरूरत नहीं है। राम इस देश की अस्मिता और संस्कृति है। राम पूरे देश और विश्व के हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं

T 202317140201504

धारा 24 उ0प्र0रा0सं0 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय भानपुर बस्ती जिला–बस्ती

सुरेन्द्र दत्त पाण्डेय आदि

बनाम

श्रीमती आशा देवी आदि

साकिन मौजा आहर तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. श्रीमती आशा देवी पत्नी अशोक कुमार साकिन मौजा सेमुवाडीह तप्पा हल्लोर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर 2. अशोक कुमार पुत्र रामरंग 3. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी रामरंग 4. राजेन्द्र कुमार पुत्र कुटुम्बनाथ 5. श्रीमती ज्ञानपती पत्नी कुटुम्बनाथ 6. रामबचन 7. जटाशंकर पुत्रगण छत्तर साकिनान फेरसम तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 8. रामफेर पुत्र दुक्खी 9. प्रदीप कुमार पुत्र भरतलाल 10. रामदीन पुत्र बीपत 11. जैसीराम पुत्र नोखई 12. बासदेव पुत्र नोखई 13. मदन पुत्र राम स्वारथ 14. श्रीमती गुलाबी देवी पत्नी रामू 15. रामसेवक पुत्र रामसरोज साकिनान आहर तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 16. श्याम सुन्दर पुत्र खदेरू साकिन साकिन मौजा लटेरा तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–बस्ती 17. बसन्त कुमार पुत्र हृदयराम साकिन सल्टौआ गोपालपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 18. शिवपरसन पुत्र बालकराम साकिन मधवापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 19. नगर पंचायत भानपुर द्वारा ई0ओ0 नगर पंचायत भानपुर साकिन आहर तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–01–20224

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 27 माह 12 सन 2023 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण सम्पन्न

संवाददाता–गोरखपुर। जनकल्याण समिति शाहपुर आवास विकास कॉलोनी योजना प्रथम गीता वाटिका की बैठक कार्यकारिणी सदस्य मेवालाल के आवास पर अध्यक्ष बृजेंद्र स्वरूप जायसवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन महामंत्री संतोष कुमार सिंह ने किया। तीस वर्ष पूर्व 1993 में गठित जनकल्याण समिति के त्रिवर्षीय पुनर्गठित समिति का फर्म्स सोसाइटीज एण्ड चिट्स गोरखपुर के अनुमोदनध्नवीनीकरण के अनुसार संरक्षक डॉ. वीके त्रिपाठी, अध्यक्ष बृजेंद्र स्वरूप जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वजीत उपाध्याय, उपाध्यक्ष सूरज प्रसाद श्रीवास्तव, महामंत्री संतोष कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष गंगेश्वर प्रसाद पाण्डेय, संयुक्त मंत्री अरुण कुमार अग्रवाल, राजाराम यादव, संगठन मंत्री राजेश जायसवाल, बटोही प्रसाद गौड, ऑडिटर सीपी श्रीवास्तव, प्रसार मंत्री संजय मिश्र, कार्यकारिणी सदस्य जगदीश नारायण शुक्ल, चन्द्रशेखर मिश्र, निर्भय वर्मा, ओम कुमार बर्नवाल, सुरेश प्रसाद चौधरी, मोतीचन्द, मेवालाल निषाद, रणवीर यादव, रमेश चन्द्र, भारत भूषण शाही, अखिलेश्वर नाथ त्रिपाठी, दिलीप कुमार गुप्ता, प्रमोद कुमार सिंह, नारायण दत्त तिवारी, पारसनाथ सिंह चुने गए हैं। नगर निगम के सभी उपसभापति चन्द्रशेखर सिंह ने सभी चयनित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बैठक में सर्व सम्मति से नगर निगम से कॉलोनी स्थित पूर्वी पार्क में सामुदायिक भवन बनवाने और कॉलोनी की 40 वर्ष पुरानी ध्वस्त सीवर लाइन के स्थान पर नई पाइप लाइन डालने का प्रस्ताव पारित किया गया।

टेक्नोलाजी से जुड़कर और सुदृढ़ हो रहा यूपी का स्वास्थ्य क्षेत्र -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। इसे और बेहतरीन बनाने के लिए और संभावनाएं हैं और टेक्नोलॉजी इसमें बेहतरीन माध्यम बन रही है। टेक्नोलॉजी से जुड़कर यूपी का स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र और सुदृढ़ हो रहा है। सीएम योगी रविवार शाम गोरखपुर शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सांसद रविकिशन शुक्ल के सौजन्य से उपलब्ध कराए गए 19 हेल्थ एटीएम का लोकार्पण करने के बाद योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित

समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रेडक्रॉस सोसाइटी की तरफ से गोद लिए गए 500 टीबी रोगियों को पोषण पोटली एवं 500 बालिकाओं को हाइजीन किट वितरण का भी शुभारंभ किया गया। सीएम के अपने पांच टीबी रोगियों को पोषण पोटली और पांच बालिकाओं को हाइजीन किट तथा दो लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का प्रमाण पत्र वितरित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि हेल्थ एटीएम और टेली कंसल्टेशन जैसी टेक्नोलॉजी से सुदूर क्षेत्र में बैठा व्यक्ति भी देश–दुनिया के प्रख्यात अस्पतालों या डॉक्टरों से जुड़कर, अपनी जांच रिपोर्ट भेजकर परामर्श ले सकता है। हेल्थ एटीएम से 62 प्रकार की जांच हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों के लिए हेल्थ एटीएम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे जांच कराकर लोग टेली कंसल्टेशन से दिल्ली–मुंबई के चिकित्सकों की सेवा ले सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि टेक्नोलॉजी काम को कैसे आसान कर सकती है, इसे कोरोना काल में सबने देखा है। कोरोना काल के शुरुआती दौर में प्रदेश के 36 जिलों में आईसीयू बेड और आवश्यक मानव संसाधन नहीं थे। तब टेक्नोलॉजी का सहारा लेकर टेली कंसल्टेशन और वर्चुअल आईसीयू की सेवा शुरू की गई। राजधानी लखनऊ स्थित केजीएमयू, एसजीपीजीआई और आरएमएल अस्पतालों को इसमें लगाया गया जो पीएचसी से लेकर जिला अस्पतालों तक समस्या का समाधान करती रहीं। सरकार के प्रयास से सभी 75 जिलों में आईसीयू सेवा शुरू हो गई।

मुख्यमंत्री ने टीबी रोगियों को गोद लेने की रेडक्रॉस सोसाइटी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि टीबी का उपचार संभव है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक टीबी के उन्मूलन की समय सीमा तय की है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 तक ही देश से टीबी के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सबसे बड़ी भूमिका सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में समाज को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा।

उन्होंने कहा कि जब समाज स्वस्थ होगा तो वह सशक्त बनेगा। सशक्त होने पर ही समर्थ होगा और समाज के समर्थ होने पर ही समाज व राष्ट्र में खुशहाली आएगी। सामुदायिक कार्य के लिए सामाजिक जिम्मेदारी को समझना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे टीबी रोगियों का हाल–चाल लें। उन्हें पोषण किट, सरकार से प्रतिमाह प्राप्त होने वाले 500 रुपये और अन्य सुविधाओं के प्रति जागरूक करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है और टीबी रोगियों की मदद कर आप एक प्रकार से ईश्वरीय कार्य में सहभागी बनेंगे।

तलाक की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी जुनैद अहमद पुत्र स्वर्गीय नेवास अली खां ग्राम बटेला पोस्ट– ओड़वारा थाना मुण्डेरवा तहसील व जनपद बस्ती का निवासी है। मैने अपनी पत्नी अफरोज पुत्री डॉ. मो. असलम खां निवासिनी मोहल्ला आजाद नगर पोस्ट– बांसी जिला सिद्धार्थनगर को दिनांक 28–03–2023 से लेकर दिनांक 30–06–2023 तक तीन महीने में बतौर तलाके हसन रूबरू गवाहान तलाक दे दिया है। प्रकाशन इस उद्देश्य से करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक

भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्मुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com